रविवार 27 सितंबर, 2026

विषय — वास्तविकता

स्वर्ण पाठ: 1 कुरिन्थियों 2: 12

"परन्तु हम ने संसार की आत्मा नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है, जो परमेश्वर की ओर से है, कि हम उन बातों को जानें, जो परमेश्वर ने हमें दी हैं।"

उत्तरदायी अध्ययन: कुलुस्सियों 3: 1, 2, 4, 9, 10, 14-16

1 सोजब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है।
2 पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ।
4 जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।
9 तुम ने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है।
10 और नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है।
14 और इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का कटिबन्ध है बान्ध लो।
15 और मसीह की शान्ति जिस के लिये तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।
16 मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो; और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ, और चिताओ, और अपने अपने मन में अनुग्रह के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यूहन्ना 1: 1-5

1 सेआदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।
2 यही आदि में परमेश्वर के साथ था।
3 सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।
4 उस में जीवन था; और वह जीवन मुनष्यों की ज्योति थी।
5 और ज्योति अन्धकार में चमकती है; और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

2. यशायाह 55: 3 (से ;), 8-11

3 कान लगाओ, और मेरे पास आओ; सुनो, तब तुम जीवित रहोगे;
8 क्योंकि यहोवा कहता है, मेरे विचार और तुम्हारे विचार एक समान नहीं है, न तुम्हारी गति और मेरी गति एक सी है।
9 क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है॥
10 जिस प्रकार से वर्षा और हिम आकाश से गिरते हैं और वहां यों ही लौट नहीं जाते, वरन भूमि पर पड़कर उपज उपजाते हैं जिस से बोने वाले को बीज और खाने वाले को रोटी मिलती है,
11 उसी प्रकार से मेरा वचन भी होगा जो मेरे मुख से निकलता है; वह व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा, परन्तु, जो मेरी इच्छा है उसे वह पूरा करेगा, और जिस काम के लिये मैं ने उसको भेजा है उसे वह सफल करेगा॥

3. नीतिवचन 3: 1-4, 6-8

1 हेमेरे पुत्र, मेरी शिक्षा को न भूलना; अपने हृदय में मेरी आज्ञाओं को रखे रहना;
2 क्योंकि ऐसा करने से तेरी आयु बढ़ेगी, और तू अधिक कुशल से रहेगा।
3 कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएं; वरन उन को अपने गले का हार बनाना, और अपनी हृदय रूपी पटिया पर लिखना।
4 और तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा, तू अति बुद्धिमान होगा॥
6 उसी को स्मरण करके सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा।
7 अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न होना; यहोवा का भय मानना, और बुराई से अलग रहना।
8 ऐसा करने से तेरा शरीर भला चंगा, और तेरी हड्डियां पुष्ट रहेंगी।

4. मत्ती 15: 29-32 (से *2nd* ,)

29 यीशु वहां से चलकर, गलील की झील के पास आया, और पहाड़ पर चढ़कर वहां बैठ गया।
30 और भीड़ पर भीड़ लंगड़ों, अन्धों, गूंगों, टुंड़ों, और बहुत औरों को लेकर उसके पास आए; और उन्हें उस के पांवों पर डाल दिया, और उस ने उन्हें चंगा किया।
31 सो जब लोगों ने देखा, कि गूंगे बोलते और टुण्डे चंगे होते और लंगड़े चलते और अन्धे देखते हैं, तो अचम्भा करके इस्राएल के परमेश्वर की बड़ाई की॥
32 यीशु ने अपने चेलों को बुलाकर कहा।

5. यूहन्ना 5: 30

30 मैं अपने आप से कुछ नहीं कर सकता; जैसा सुनता हूं, वैसा न्याय करता हूं, और मेरा न्याय सच्चा है; क्योंकि मैं अपनी इच्छा नहीं, परन्तु अपने भेजने वाले की इच्छा चाहता हूं।

6. यूहन्ना 6: 63

63 आत्मा तो जीवनदायक है, शरीर से कुछ लाभ नहीं: जो बातें मैं ने तुम से कहीं हैं वे आत्मा है, और जीवन भी हैं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

7. प्रेरितों के काम 3: 1-9, 11-13 (से ;), 16

1 पतरस और यूहन्ना तीसरे पहर प्रार्थना के समय मन्दिर में जा रहे थे।
2 और लोग एक जन्म के लंगड़े को ला रहे थे, जिस को वे प्रति दिन मन्दिर के उस द्वार पर जो सुन्दर कहलाता है, बैठा देते थे, कि वह मन्दिर में जाने वालों से भीख मांगे।
3 जब उस ने पतरस और यूहन्ना को मन्दिर में जाते देखा, तो उन से भीख मांगी।
4 पतरस ने यूहन्ना के साथ उस की ओर ध्यान से देखकर कहा, हमारी ओर देख।
5 सो वह उन से कुछ पाने की आशा रखते हुए उन की ओर ताकने लगा।
6 तब पतरस ने कहा, चान्दी और सोना तो मेरे पास है नहीं; परन्तु जो मेरे पास है, वह तुझे देता हूं: यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर।
7 और उस ने उसका दाहिना हाथ पकड़ के उसे उठाया: और तुरन्त उसके पावों और टखनों में बल आ गया।
8 और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने फिरने लगा और चलता; और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उन के साथ मन्दिर में गया।
9 सब लोगों ने उसे चलते फिरते और परमेश्वर की स्तुति करते देखकर।
11 जब वह पतरस और यूहन्ना को पकड़े हुए था, तो सब लोग बहुत अचम्भा करते हुए उस ओसारे में जो सुलैमान का कहलाता है, उन के पास दौड़े आए।
12 यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा; हे इस्त्राएलियों, तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो, और हमारी ओर क्यों इस प्रकार देख रहे हो, कि मानो हम ही ने अपनी सामर्थ या भक्ति से इसे चलना-फिरता कर दिया।
13 इब्राहीम और इसहाक और याकूब के परमेश्वर, हमारे बाप दादों के परमेश्वर ने अपने सेवक यीशु की महिमा की, जिसे तुम ने पकड़वा दिया, और जब पीलातुस ने उसे छोड़ देने का विचार किया, तब तुम ने उसके साम्हने उसका इन्कार किया।
16 और उसी के नाम ने, उस विश्वास के द्वारा जो उसके नाम पर है, इस मनुष्य को जिसे तुम देखते हो और जानते भी हो सामर्थ दी है; और निश्चय उसी विश्वास ने जो उसके द्वारा है, इस को तुम सब के साम्हने बिलकुल भला चंगा कर दिया है।

8. 2 कुरिन्थियों 4: 6, 14, 15, 17, 18

6 इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमके; और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो॥
14 क्योंकि हम जानते हैं, जिस ने प्रभु यीशु को जिलाया, वही हमें भी यीशु में भागी जानकर जिलाएगा, और तुम्हारे साथ अपने साम्हने उपस्थित करेगा।
15 क्योंकि सब वस्तुएं तुम्हारे लिये हैं, ताकि अनुग्रह बहुतों के द्वारा अधिक होकर परमेश्वर की महिमा के लिये धन्यवाद भी बढ़ाए॥
17 क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है।
18 और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 51: 26 (ईश्वर)-27

भगवान वास्तविकता के सभी रूपों को बनाता है। उनके विचार आध्यात्मिक यथार्थ हैं।

2. 331: 11 (यह)-16

धर्मग्रंथों में कहा गया है कि ईश्वर ही सब कुछ है। इससे यह पता चलता है कि दिव्य मन और उसके विचारों के अलावा किसी चीज़ का न तो कोई सच है और न ही कोई अस्तित्व। धर्मग्रंथों में यह भी कहा गया है कि ईश्वर आत्मा है। इसलिए आत्मा में सब कुछ तालमेल है, और कोई मतभेद नहीं हो सकता; सब कुछ जीवन है, और कोई मौत नहीं है।

3. 286: 21-26

ईश्वर के विचार परिपूर्ण और शाश्वत हैं, पदार्थ और जीवन हैं। भौतिक और लौकिक विचार मानव हैं, जिसमें त्रुटि है, और चूंकि भगवान, आत्मा, एकमात्र कारण है, उनके पास एक दिव्य कारण का अभाव है। लौकिक और भौतिक तत्त्व आत्मा की रचना नहीं हैं। वे आध्यात्मिक और शाश्वत के नकली हैं।

4. 276: 9-24

मनुष्य और उसके निर्माता का संबंध ईश्वरीय विज्ञान में है, और वास्तविक चेतना केवल ईश्वर की बातों के प्रति ही संज्ञान है।

यह अहसास कि सभी धर्म असत्य हैं, वस्तुओं और विचारों को अपने वास्तविक प्रकाश में मानवीय दृष्टिकोण में लाता है, और उन्हें सुंदर और अमर के रूप में प्रस्तुत करता है। मनुष्य में सद्भाव उतना ही वास्तविक और अमर है जितना संगीत में। त्याग असत्य और नश्वर है।

यदि परमेश्वर को केवल मन और जीवन माना जाता है, तो पाप और मृत्यु के लिए कोई अवसर होना बंद हो जाता है। जब हम विज्ञान में सीखते हैं कि स्वर्ग में हमारे पिता भी कैसे परिपूर्ण हैं, तो विचार को नए और स्वस्थ चैनलों में बदल दिया गया है, - सामंजस्यपूर्ण मनुष्य सहित ब्रह्मांड के सिद्धांत के लिए अमरता और भौतिकता से दूर चीजों के चिंतन की ओर।

5. 301: 17-23

जैसा कि ईश्वर पदार्थ है और मनुष्य ईश्वरीय छवि और समानता है, मनुष्य को आत्मा के पदार्थ की इच्छा करनी चाहिए, केवल पदार्थ की, न कि पदार्थ की और वास्तव में उसने ऐसा किया है। यह विश्वास कि मनुष्य के पास कोई अन्य पदार्थ या मन है, आध्यात्मिक नहीं है और पहले आज्ञा को तोड़ता है, आप एक ईश्वर को, एक मन को स्वीकार करेंगे।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

6. 353: 16 (सभी)-19

सारी सच्चाई हमेशा रहने वाली है। असलियत में परफेक्शन छिपा होता है। परफेक्शन के बिना, कुछ भी पूरी तरह से असली नहीं है। सभी चीज़ें गायब होती रहेंगी, जब तक कि परफेक्शन नहीं आ जाता और असलियत नहीं मिल जाती।

7. 490: 14-18

इंसानी सिद्धांत इंसान को सामंजस्यपूर्ण या अमर बनाने में लाचार हैं, क्योंकि वह, क्रिश्चियन साइंस के अनुसार, पहले से ही ऐसा है। हमारी आवश्यकता सिर्फ़ यह जानने की है और असली मानव के दिव्य सिद्धांत, प्रेम को अपनाना है।

8. 88: 9-15 (से,)

मायावी विचारों को भ्रम से अलग कैसे किया जाता है? प्रत्येक की उत्पत्ति को जानकर। विचार दिव्य मन से निकले हुए हैं। विचार, मस्तिष्क से या पदार्थ से आगे बढ़ते हुए, नश्वर मन की शाखा हैं; वे नश्वर भौतिक विश्वास हैं। विचार आध्यात्मिक, सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत हैं। विश्वास तथाकथित भौतिक इंद्रियों से आगे बढ़ते हैं।

9. 356: 4-5, 9-16

तथाकथित भौतिक अस्तित्व आध्यात्मिक अस्तित्व और अमरता का कोई सबूत नहीं देता है। ... पदार्थ आत्मा का गर्भगृह नहीं है।

यीशु ने इस विषय पर व्यावहारिक रूप से तर्क किया और अपनी आध्यात्मिकता के आधार पर बीमारी, पाप और मृत्यु को नियंत्रित किया। भौतिक चीज़ों की शून्यता को समझते हुए, उन्होंने मांस और आत्मा को दो विपरीत चीज़ों के रूप में बताया, - त्रुटि और सत्य के रूप में, जो एक-दूसरे की खुशी और अस्तित्व में किसी भी तरह से योगदान नहीं दे रहे थे। यीशु जानता था, "आत्मा तो जीवनदायक है, शरीर से कुछ लाभ नहीं।"

10. 272: 3-8

सच को समझने से पहले सच्चाई की आध्यात्मिक समझ हासिल करनी होगी। यह समझ तभी मिलती है जब हम ईमानदार, निस्वार्थ, प्यार करने वाले और नरम होते हैं। "ईमानदार और अच्छे दिल" की मिट्टी में बीज बोना चाहिए; नहीं तो वह ज़्यादा फल नहीं देता, क्योंकि इंसानी स्वभाव का दुष्ट तत्व उसे जड़ से उखाड़ देता है।

11. 130: 15-19, 26-5

क्रिश्चियन साइंस को ठीक से समझने पर, यह इंसान के मन से उन भौतिक विश्वासों को दूर कर देगा जो आध्यात्मिक तथ्यों के खिलाफ़ हैं; और इन भौतिक विश्वासों को नकारना और बाहर निकालना होगा ताकि सच्चाई के लिए जगह बन सके।

यदि ईश्वर या सत्य के वर्चस्व के लिए विज्ञान के मजबूत दावे पर विचार किया गया है, और अच्छाई के वर्चस्व पर संदेह किया गया है, क्या हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि, दुष्टतापूर्ण, बुराई के जोरदार दावों पर चकित होना और उन पर संदेह करना, और अब उसे त्यागने के लिए पाप और अप्राकृतिक प्रेम करना स्वाभाविक नहीं लगता, - अब

बुराई की कभी भी कल्पना करना अच्छा नहीं है और वर्तमान अच्छा है? सत्य को त्रुटि के रूप में इतना आश्चर्यजनक और अप्राकृतिक नहीं होना चाहिए, और त्रुटि को सत्य के रूप में वास्तविक नहीं होना चाहिए। स्वास्थ्य के रूप में बीमारी इतनी वास्तविक नहीं लगनी चाहिए। विज्ञान में कोई त्रुटि नहीं है, और हमारे जीवन को सभी के दैवीय सिद्धांत भगवान के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए वास्तविकता से शासित होना चाहिए।

12. 215: 12-21

जो कुछ भी भगवान द्वारा शासित है, वह एक पल के लिए भी बुद्धि और जीवन के प्रकाश और शक्ति से वंचित नहीं होता।

कभी-कभी हमें यह विश्वास दिला दिया जाता है कि अंधकार भी उतना ही वास्तविक है जितना कि प्रकाश; लेकिन विज्ञान इस बात की पुष्टि करता है कि अंधकार केवल प्रकाश की अनुपस्थिति का एक नश्वर भाव है, जिसके आने पर अंधकार वास्तविकता का आभास खो देता है। तो पाप और दुःख, बीमारी और मृत्यु, जीवन, ईश्वर की अनुमानित अनुपस्थिति हैं, और सत्य और प्रेम के सामने त्रुटि के प्रेत के रूप में भागते हैं।

13. 480: 26-2

बाइबल कहती है: "सब कुछ उसी [दिव्य वचन] ने बनाया; और जो कुछ भी बना है, उसमें से कुछ भी उसके बिना नहीं बना।" यह दिव्य विज्ञान की हमेशा रहने वाली सच्चाई है। अगर पाप, बीमारी और मौत को कुछ नहीं समझा जाता, तो वे गायब हो जाते। जैसे सूरज के सामने भाप पिघल जाती है, वैसे ही अच्छाई की असलियत के सामने बुराई गायब हो जाती। एक को दूसरे को छिपाना होगा। तो, अच्छाई को असलियत के तौर पर चुनना कितना ज़रूरी है!

14. 261: 4-7

जो बातें हमेशा रहती हैं, अच्छी हैं और सच्ची हैं, उन पर मज़बूती से सोचिए, और आप उन्हें अपने अनुभव में उसी अनुपात में लाएंगे, जिस अनुपात में वे आपके विचारों में हैं।

15. 248: 26-29

हमें सोच में परफेक्ट मॉडल बनाने होंगे और उन्हें लगातार देखना होगा, नहीं तो हम उन्हें कभी भी शानदार और नेक ज़िंदगी में नहीं बना पाएंगे।

16. 249: 1-4

आइए विज्ञान को स्वीकार करते हैं, भाव-गवाही के आधार पर सभी सिद्धांतों को त्यागें, अपूर्ण मॉडल और भ्रामक आदर्श छोड़ दें; और इसलिए हमें एक ईश्वर, एक मन, और वह एक परिपूर्ण, उत्कृष्टता के अपने मॉडल का निर्माण करने दें।

17. 242: 9-14

दिव्य विज्ञान में स्वर्ग, सद्भाव और मसीह के लिए एक रास्ता है, हमें इस तरह से दिखाता है। यह कोई और वास्तविकता नहीं है - जीवन की कोई अन्य चेतना नहीं है - अच्छा, ईश्वर और उसका प्रतिबिंब, और इंद्रियों के तथाकथित दर्द और आनंद से बेहतर उठना

18. 208: 20-24

आइए हम वास्तविक और शाश्वत के बारे में जानें, और आत्मा के राज्य, स्वर्ग के राज्य की तैयारी करें - सार्वभौमिक सद्भाव का शासन और शासन, जिसे खोया नहीं जा सकता और न ही हमेशा के लिए अनदेखा किया जा सकता है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।